

8742

Salt 212 600f. R-gmt 8080
AR 1379 40 12-65

12Rs 50n



सबरील मन्तर

अ भा 6-62
मिवा 10-25
मिवा 44

क) Bah 30
मिवा 10-25
मिवा 44

दाम 29-12-200
मिवा 44

[Handwritten signature]

9.75

21: 21 मन्तर मन्तर

26-11-200

लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा

लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा
 लैर मिवा मिवा मिवा मिवा मिवा

लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम

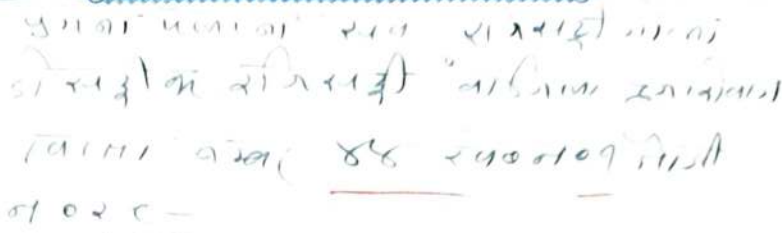
लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम

लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम

लैरमत्रारी: — सेवा मन्तर मिवा मिवा शनाम

21: 21 मन्तर मन्तर
26-11-200

1997 2 12 11 11 03 4 26-22-50

[illegible]

30/11/2021

मो (हंस) वरिष्ठ बाल से मो शिवजी का नाम
लेखने की वजह से इनका नाम है हासीन है
मे वरुण - बालक स्वामी के अग्रजाय
माना जाता है। स्वामी लेखने वाले के पत्नी
पिता है वादी-

[illegible]

May 15 3 45 pm 22 1112

10100 0110 2126 1025/112 112

दुआं न बनाता है ऐसा पाँह बनाते दुआं न करता
 न पढ़ो तो रात्रि हर विराम में नहा सीता पेदावाह
 वो प्रामदनी (विशेष) पुनः नसरक में लांवा
 इसी पुनः लेख्य करी दुआं (विशेष) पित्रि
 नमा सनातापनक रा रात्रि हर दुआं पत्नी
 दुआं सनातापनक रात्रि नही (ह) वो न
 पुनः रात्रि रात्रि / अथवा पुनः रात्रि
 उता गमीन रा रात्रि लेख्य करी
 देवाता विरा वो वजाः आनंदमालीक
 रात्रि रात्रि वो मातापुत्रा हरि जेल
 पुरीवा (विशेष) मालीक सनातापनक
 मातापुत्रा रात्रि नमा पुनः सनातापनक
 वो पुनः रात्रि सनातापनक पुनः सनातापनक
 पुनः सनातापनक पुनः सनातापनक
 पुनः सनातापनक पुनः सनातापनक
 पुनः सनातापनक पुनः सनातापनक

रात्रि रात्रि रात्रि
 रात्रि रात्रि रात्रि

पुनः रात्रि रात्रि : वीही सनातापनक
 पुनः रात्रि रात्रि मातापुत्रा

रात्रि रात्रि रात्रि
 रात्रि रात्रि रात्रि
 रात्रि रात्रि रात्रि

रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि
 रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि रात्रि